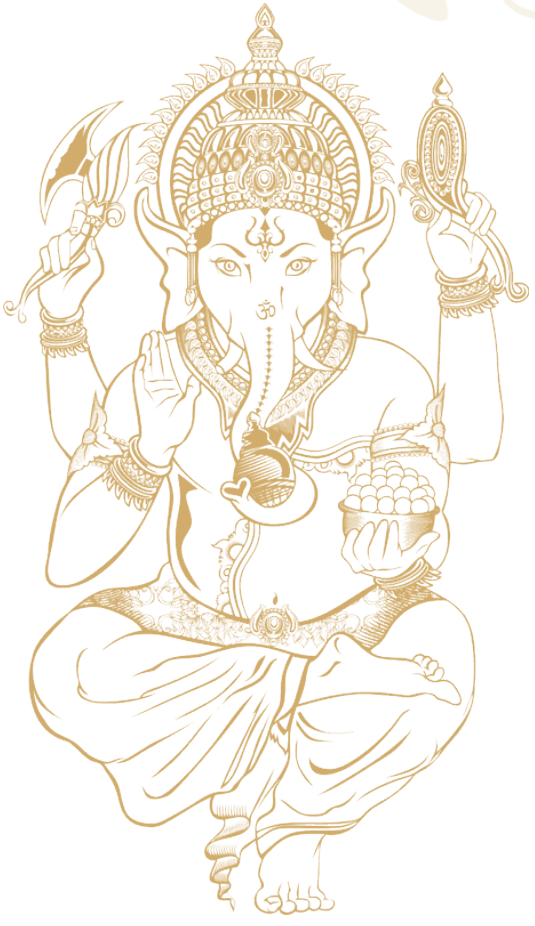

Mr RAVISH SHARMA

06 Aug 1975

12:45 AM

Hardwar

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 120264302

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
5-06/08/1975	जन्म तिथि	**05/08/2025**
मंगल-बुधवार	दिन	मंगलवार
घंटे 00:45:00	जन्म समय	20:14:07 घंटे
घटी 47:46:38	जन्म समय(घटी)	36:28:05 घटी
India	देश	India
Hardwar	स्थान	Hardwar
उत्तर 29:58:00	अक्षांश	29:58:00 उत्तर
पूर्व 78:09:00	रेखांश	78:09:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:17:24	स्थानिक संस्कार	-00:17:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:38:20	सूर्योदय	05:38:53
19:07:14	सूर्यास्त	19:07:19
23:31:14	चित्रपक्षीय अयनांश	24:12:57

वृष	लग्न	कुम्भ
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	शनि
मिथुन	राशि	धनु
बुध	राशि-स्वामी	गुरु
पुनर्वसु	नक्षत्र	मूल
गुरु	नक्षत्र स्वामी	केतु
2	चरण	2
वज्र	योग	वैधृति
विष्टि	करण	बव
को-कोमल	जन्म नामाक्षर	यो-योगिता
सिंह	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह
शूद्र	वर्ण	क्षत्रिय
मानव	वश्य	मानव
मार्जार	योनि	श्वान
देव	गण	राक्षस
आद्य	नाड़ी	आद्य
मार्जार	वर्ग	मृग
50	गत/तत्कालिक वर्ष	51

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ
रोहिणी	1	11:56:46	वृष		
आश्लेषा	1	19:13:23	कर्क		
पुनर्वसु	2	25:52:18	मिथु		
कृतिका	2	00:45:34	वृष		
आश्लेषा	3	24:02:12	कर्क		अ
अश्विनी	1	01:02:58	मेष		
पू०फाल्गुनी	2	18:11:21	सिंह		
पुनर्वसु	4	01:42:14	कर्क		
अनुराधा	1	04:28:12	वृश्चि	व	
कृतिका	3	04:28:12	वृष	व	
चित्रा	4	05:13:06	तुला		

वर्ष - विवरण

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
लग्न			कुंभ	12:18:39	2	शतभिषा
सूर्य			कर्क	19:13:23	1	आश्लेषा
चंद्र			धनु	04:34:31	2	मूल
मंगल			कन्या	04:56:19	3	उ०फाल्गुनी
बुध	व	अ	कर्क	11:42:27	3	पुष्य
गुरु			मिथु	18:28:33	4	आर्द्रा
शुक्र			मिथु	12:06:30	2	आर्द्रा
शनि	व		मीन	07:15:50	2	उ०भाद्रपद
राहु	व		कुंभ	24:39:25	2	पू०भाद्रपद
केतु	व		सिंह	24:39:25	4	पू०फाल्गुनी
मु		अ	कर्क	11:56:46	3	पुष्य

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:57

लग्न-चलित

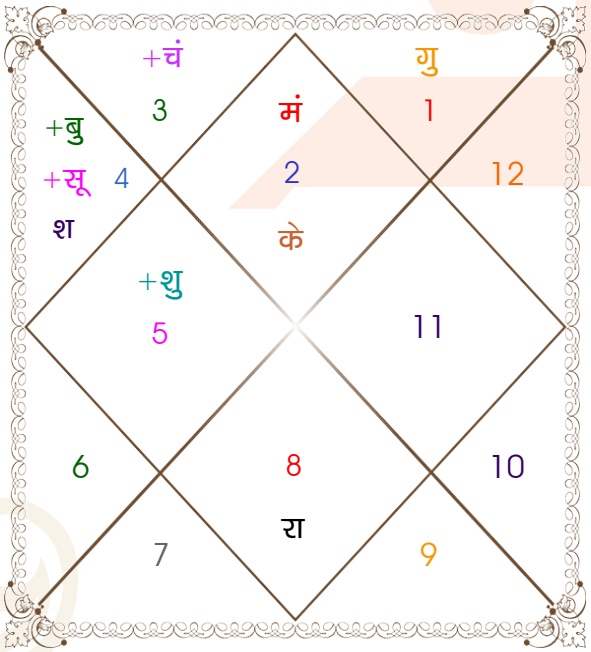

वर्ष लग्न कुंडली

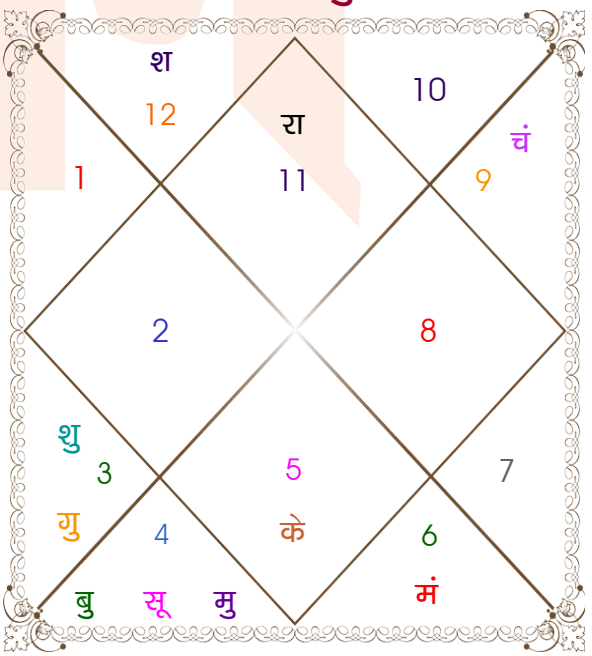

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

केतु - शनि - शुक्र		केतु - शनि - सूर्य		केतु - शनि - चंद्र		केतु - शनि - मंगल	
05/11/2025 07:19		11/01/2026 18:35		01/02/2026 00:22		06/03/2026 18:00	
11/01/2026 18:35		01/02/2026 00:22		06/03/2026 18:00		30/03/2026 08:45	
शुक्र	16/11/2025 13:11	सूर्य	12/01/2026 18:53	चंद्र	03/02/2026 19:50	मंगल	08/03/2026 03:04
सूर्य	19/11/2025 22:09	चंद्र	14/01/2026 11:21	मंगल	05/02/2026 19:04	राहु	11/03/2026 16:05
चंद्र	25/11/2025 13:06	मंगल	15/01/2026 15:42	राहु	10/02/2026 20:31	गुरु	14/03/2026 19:39
मंगल	29/11/2025 11:33	राहु	18/01/2026 16:34	गुरु	15/02/2026 08:28	शनि	18/03/2026 13:23
राहु	09/12/2025 14:27	गुरु	21/01/2026 09:20	शनि	20/02/2026 16:39	बुध	21/03/2026 21:40
गुरु	18/12/2025 14:21	शनि	24/01/2026 14:15	बुध	25/02/2026 11:21	केतु	23/03/2026 06:44
शनि	29/12/2025 06:44	बुध	27/01/2026 11:04	केतु	27/02/2026 10:35	शुक्र	27/03/2026 05:11
बुध	07/01/2026 20:08	केतु	28/01/2026 15:24	शुक्र	05/03/2026 01:31	सूर्य	28/03/2026 09:31
केतु	11/01/2026 18:35	शुक्र	01/02/2026 00:22	सूर्य	06/03/2026 18:00	चंद्र	30/03/2026 08:45

केतु - शनि - राहु		केतु - शनि - गुरु		केतु - बुध - बुध		केतु - बुध - केतु	
30/03/2026 08:45		30/05/2026 02:06		23/07/2026 01:31		12/09/2026 09:01	
30/05/2026 02:06		23/07/2026 01:31		12/09/2026 09:01		03/10/2026 12:07	
राहु	08/04/2026 11:21	गुरु	06/06/2026 06:49	बुध	30/07/2026 07:59	केतु	13/09/2026 14:36
गुरु	16/04/2026 13:40	शनि	14/06/2026 19:56	केतु	02/08/2026 07:49	शुक्र	17/09/2026 03:07
शनि	26/04/2026 04:25	बुध	22/06/2026 11:27	शुक्र	10/08/2026 21:04	सूर्य	18/09/2026 04:28
बुध	04/05/2026 18:52	केतु	25/06/2026 15:01	सूर्य	13/08/2026 10:39	चंद्र	19/09/2026 22:44
केतु	08/05/2026 07:53	शुक्र	04/07/2026 14:55	चंद्र	17/08/2026 17:16	मंगल	21/09/2026 04:19
शुक्र	18/05/2026 10:47	सूर्य	07/07/2026 07:41	मंगल	20/08/2026 17:07	राहु	24/09/2026 08:22
सूर्य	21/05/2026 11:39	चंद्र	11/07/2026 19:38	राहु	28/08/2026 09:50	गुरु	27/09/2026 03:59
चंद्र	26/05/2026 13:05	मंगल	14/07/2026 23:12	गुरु	04/09/2026 06:02	शनि	30/09/2026 12:16
मंगल	30/05/2026 02:06	राहु	23/07/2026 01:31	शनि	12/09/2026 09:01	बुध	03/10/2026 12:07

केतु - बुध - शुक्र		केतु - बुध - सूर्य		केतु - बुध - चंद्र		केतु - बुध - मंगल	
03/10/2026 12:07		02/12/2026 20:56		20/12/2026 23:35		20/01/2027 04:00	
02/12/2026 20:56		20/12/2026 23:35		20/01/2027 04:00		10/02/2027 07:05	
शुक्र	13/10/2026 13:35	सूर्य	03/12/2026 18:40	चंद्र	23/12/2026 11:57	मंगल	21/01/2027 09:35
सूर्य	16/10/2026 14:01	चंद्र	05/12/2026 06:53	मंगल	25/12/2026 06:12	राहु	24/01/2027 13:38
चंद्र	21/10/2026 14:45	मंगल	06/12/2026 08:15	राहु	29/12/2026 18:52	गुरु	27/01/2027 09:15
मंगल	25/10/2026 03:16	राहु	09/12/2026 01:26	गुरु	02/01/2027 19:27	शनि	30/01/2027 17:32
राहु	03/11/2026 04:36	गुरु	11/12/2026 11:24	शनि	07/01/2027 14:09	बुध	02/02/2027 17:23
गुरु	11/11/2026 05:46	शनि	14/12/2026 08:13	बुध	11/01/2027 20:47	केतु	03/02/2027 22:57
शनि	20/11/2026 19:10	बुध	16/12/2026 21:47	केतु	13/01/2027 15:02	शुक्र	07/02/2027 11:28
बुध	29/11/2026 08:25	केतु	17/12/2026 23:08	शुक्र	18/01/2027 15:46	सूर्य	08/02/2027 12:50
केतु	02/12/2026 20:56	शुक्र	20/12/2026 23:35	सूर्य	20/01/2027 04:00	चंद्र	10/02/2027 07:05

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा तथा यदा कदा मानसिक रूप से आप कष्ट तथा परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही मानसिक स्थिति भी सामान्य ही रहेगी तथा उद्विग्नता एवं चंचलता का भाव भी विद्यमान रहेगा। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि इस समय मध्यम रहेगी तथा पारिवारिक जनों से सामान्य सहयोग मिलता रहेगा। संतति पक्ष से भी आप सन्तुष्ट रहेंगे तथा अपने कार्य क्षेत्र में वे उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे। ज्ञानार्जन में इस समय आपकी पूर्ण रूचि रहेगी तथा परिश्रम पूर्वक विभिन्न शास्त्रों का अध्ययन करने या वैज्ञानिक शोध कार्य के प्रति आपका विशेष ध्यान रहेगा। धर्म के प्रति आपके मन में सामान्य श्रद्धा रहेगी तथा अवसरानुकूल आप धार्मिक कार्यो को सम्पन्न करने में तत्पर रहेंगे। साथ ही धार्मिक नेताओं से सम्पर्क या तीर्थ यात्रा की भी संभावना रहेगी। इस समय आपके कार्य बुद्धिमता तथा परिश्रम से सम्पन्न होंगे तथा लोग आप पर काफी विश्वास रखेंगे जिससे सामाजिक मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी ।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए समय मध्यम रहेगा तथा परिश्रम एवं संघर्ष से आपको सफलता मिलेगी। साथ ही लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। नौकरी या राजनीति में आपकी उन्नति होगी परन्तु इस समय आप आवास या स्थान संबधी परिवर्तन भी कर सकते हैं। शत्रु या विरोधी पक्ष भी यद्यपि समस्याएं उत्पन्न करेंगे परन्तु अन्त में उन पर विजय प्राप्त करेंगे। आर्थिक स्थिति इस समय सामान्यतया अच्छी रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। साथ ही अल्प मात्रा में कोई विशेष लाभ भी हो सकता है। अतः यह वर्ष आपके लिए सामान्यतया शुभ रहेगा तथापि परिश्रम से ही कार्यो कलापों में सिद्धि प्राप्त हो सकेगी।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक रूप से अस्वस्थ तथा परेशान रहेंगे फलतः शरीर में दुर्बलता रहेगी जिससे शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यो को सम्पन्न करने में आपको असुविधा रहेगी। साथ ही आपको कई बार अपने ही कार्यो से हानि भी हो सकती है जिससे आपको बाद में पछतावा होगा। इस समय मित्र एवं संबधियों से भी आपके संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे तथा उनसे तनाव तथा कलह का वातावरण रहेगा फलतः उनसे आपको अल्प मात्रा में ही सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। इस वर्ष में आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अत्यंत परिश्रम एवं पराक्रम से ही सफल होंगे परन्तु यह सफलता भी आंशिक रहेगी जिससे मानसिक रूप से भी आप अशान्त तथा चिन्तित रहेंगे।

इस समय आपके शत्रु भी अधिक मात्रा में उत्पन्न होंगे तथा उनसे आप अनावश्यक समस्याएं तथा व्यवधान प्राप्त करेंगे। साथ ही घर में किसी प्रकार की चोरी आदि की भी संभावना रहेगी ।अतः ऐसे समय में आपको सावधान रहना चाहिए। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको विशेष लाभ एवं सहयोग नहीं मिलेगा तथा वे आपसे अप्रसन्न तथा असन्तुष्ट रहेंगे। साथ ही इस वर्ष में आपका व्यय भी अधिक होगा तथा धन हानि की भी संभावना रहेगी तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में भी व्यवधान रहेगा एवं विगत रूके हुए कार्यो में भी असफलता मिलेगी । इस समय आपके मन में भ्रान्तियां भी अधिक होंगी फलतः अन्य जनों से विवाद होता रहेगा। अतः इस वर्ष को संयम एवं धैर्यपूर्वक व्यतीत करें।